सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा - 2024 रविवार
(संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा तिथि 15/9/2024

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

PAS-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

405749

Paper Code : 21

Sub : Samanya Sanskrit-I
Paper-I

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है ।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।**
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पांचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पांच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
9.* **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
11. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति । परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

21-□

1. अग्निहोत्रस्य मन्त्राः सङ्कलिताः सन्ति –
(1) शुक्लयजुर्वेदस्य द्वितीयेऽध्याये
(2) शुक्लयजुर्वेदस्य तृतीयेऽध्याये
(3) शुक्लयजुर्वेदस्य चतुर्थेऽध्याये
(4) शुक्लयजुर्वेदस्य प्रथमेऽध्याये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. भूतयज्ञस्य अपरं नाम वर्तते –
(1) नृयज्ञः (2) देवयज्ञः
(3) पितृयज्ञः (4) बलिवैश्वदेवयज्ञः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. असमीचीनं युग्मं चिनुत –
(1) अग्निहोत्रम् – सायंप्रातर्होमः
(2) अग्निष्टोमः – अमावस्यायां पूर्णिमायां च सम्पाद्यते
(3) दर्शपौर्णमासः – षड्यागानां समष्टिः
(4) ऋषियज्ञः – ब्रह्मयज्ञः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. दर्शपौर्णमासयागे दर्शयागः कदा क्रियते ?
(1) प्रतिपदायाम्
(2) अमावस्यायाम्
(3) अष्टम्याम्
(4) दशम्याम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' कस्मिन् उपनिषदि प्राप्यते वाक्यमिदम् ?
(1) कठोपनिषदि
(2) ईशोपनिषदि
(3) तैत्तिरीयोपनिषदि
(4) केनोपनिषदि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. "ऋचि सामगानम्" इति कः यागः कथ्यते ?
(1) अग्निहोत्रः (2) महायज्ञः
(3) अग्निष्टोमः (4) दर्शपौर्णमासः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. तैत्तिरीयोपनिषदः भागः नास्ति –
(1) शिक्षावल्ली
(2) ब्रह्मानन्दवल्ली
(3) विद्यावल्ली
(4) भृगुवल्ली
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. कठोपनिषदनुसारं प्रवचनेन किं तत्त्वम् अलभ्यम् ?
(1) धनम् (2) ज्ञानम्
(3) आत्मा (4) मानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. अधोलिखितेषु किम् असंगतं वर्तते ?
(1) ईशावास्योपनिषद् – निष्कामकर्मसंपादनम्
(2) कठोपनिषद् – अद्वैततत्त्वम्
(3) तैत्तिरीयोपनिषद् – ब्रह्मविद्यानिरूपणम्
(4) उपनिषद् – कर्मकाण्डप्रतिपादनम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. वेदाङ्गशब्दे अङ्गशब्दस्य व्युत्पत्तिलभ्योऽर्थः वर्तते –
(1) भावकः (2) भेदकः
(3) उपकारकः (4) अज्ञापकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. वररुचेरनुसारं व्याकरणस्य मुख्यप्रयोजनानि भवन्ति –
(1) त्रीणि (2) षड्
(3) चत्वारि (4) पञ्च
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. 'प्रातिशाख्यम्' कस्य वेदाङ्गस्य ग्रन्थः ?
(1) शिक्षायाः (2) ज्योतिषः
(3) कल्पस्य (4) छन्दसः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. कर्माणि कुर्वन् कति समाः जिजीविषेत् ?
(1) दश (2) सहस्रम्
(3) शतम् (4) द्विशतम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

14. आश्वलायनश्रौतसूत्रं सम्बन्धितं वर्तते –
(1) अथर्ववेदेन (2) ऋग्वेदेन
(3) यजुर्वेदेन (4) सामवेदेन
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

15. इत्संज्ञा-विधायकसूत्रं नास्ति –
(1) उपदेशेऽजनुनासिक इत्
(2) हलन्त्यम्
(3) तस्य लोप:
(4) चुटू
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

16. झर् प्रत्याहारे अयं वर्ण: न परिगण्यते –
(1) ह् (2) ष्
(3) श् (4) स्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

17. कयो: वर्णयोर्मिथ: सावर्ण्यं वाच्यम् ?
(1) कपवर्णयो:
(2) चटवर्णयो:
(3) ऋटुवर्णयो:
(4) ऋलृवर्णयो:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

18. उदात्तादिभेदेन ऊकालस्य भेदा: भवन्ति –
(1) चत्वार: (2) त्रय:
(3) षट् (4) नव
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

19. अत्र पदसंज्ञक: नास्ति –
(1) राम: (2) पठति
(3) घञ् (4) पुरुषस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

20. अधोलिखितेषु किम् असंगतम् अस्ति ?
(1) अनुष्टुप् – द्वात्रिंशत् वर्णा:
(2) उष्णिक – चतुर्विंशति वर्णा:
(3) बृहती – षट्त्रिंशत् वर्णा:
(4) त्रिष्टुप् – चतुश्चत्वारिंशत् वर्णा:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

21. वृद्धिसंज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति –
(1) वृद्धाच्छ: (2) वृद्धिरेचि
(3) वृद्धिरादैच् (4) वेरपृक्तस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

22. एषु कथनेषु समीचीनमस्ति –
(1) इचुयशानां मूर्धा
(2) ओदौतो: दन्तोष्ठम्
(3) ऋटुरषाणां दन्ता:
(4) एदैतो: कण्ठतालु
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

23. उपसर्गसंज्ञा-विधायकं सूत्रमस्ति –
(1) उपसर्गे च
(2) प्रादय: क्रियायोगे
(3) उपसर्गादृति धातौ
(4) उपसर्गा: क्रियायोगे
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

24. असमीचीनं युग्मं चिनुत –
(1) प्रत्याहार: – आदिरन्त्येनसहेता
(2) धातु: – भूवादयो धातव:
(3) अवसानम् – खरवसानयोर्विसर्जनीय:
(4) पररूपम् – एङि पररूपम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

25. 'पेष्टा' इत्यत्र सन्धिकार्ये प्रमुखं सूत्रमस्ति –
(1) स्तो: श्चुना श्चु: ।
(2) न पदान्ताट्टोरनाम् ।
(3) ष्टुना ष्टु: ।
(4) तो: षि ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

26. स्वरवर्णै: व्यवधानरहितानां हलां का संज्ञा ?
(1) संहितासंज्ञा (2) संयोगसंज्ञा
(3) वृद्धिसंज्ञा (4) गुणसंज्ञा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

27. दीर्घसन्धेः उदाहरणमस्ति
(1) प्रैषः (2) उपेन्द्रः
(3) गङ्गैघः (4) दैत्यारिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. ययि परे अनुस्वारस्य किं भवति ?
(1) परसवर्णः (2) पूर्वसवर्णः
(3) सवर्णः (4) अनुस्वारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. "अन्तर् + राष्ट्रियः" इत्यस्य समुचितं सन्धिपदमस्ति –
(1) अन्तर्राष्ट्रीयः
(2) अन्ताराष्ट्रियः
(3) अन्तर्राष्ट्रियः
(4) अन्ताराष्ट्रीयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. "लोपः शाकल्यस्य" सूत्रानुसारेण लोपः भवति
(1) लस्य (2) बस्य
(3) हस्य (4) यवयोः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. यण्सन्धिविषये किमसंगतं वर्तते ?
(1) इकःस्थाने यण् स्यात्
(2) अचि परे
(3) यण् = य् व् र् ल्
(4) असंहितायां विषये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. "हरये" इत्यत्र सन्धिकार्ये सूत्रमस्ति –
(1) आद्गुणः
(2) एचोऽयवायावः
(3) वृद्धिरेचि
(4) एङि पररूपम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. 'प्रेजते' इत्यस्मिन् सूत्रमस्ति –
(1) उपसर्गादृति धातौ ।
(2) एङि पररूपम् ।
(3) प्रादूहोढोढ्येषैष्येषु वा ।
(4) एङः पदान्तादति ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. "मनस् + रथः = मनोरथः" अत्र संधिक्रमः वर्तते –
(1) रुत्वे, उत्वे, रोरि इत्यनेन लोपः ।
(2) रुत्वे, उत्वे, गुणे कृते ।
(3) सत्वे, रुत्वे, गुणे कृते ।
(4) सत्वे, उत्वे, रुत्वे, गुणे कृते ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. 'पति' शब्दस्य सप्तम्येकवचने रूपं भवति –
(1) पतौ (2) पत्यौ
(3) पते (4) पत्याम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. शब्दरूपसन्दर्भे कतमो विकल्पो सुमेलितोऽस्ति ?
(1) राज्ञः – राजन्, द्वितीया बहुवचनम् ।
(2) इमे – इदम् (स्त्रीलिङ्गे), प्रथमा बहुवचनम् ।
(3) मतीः – मति, प्रथमा द्विवचनम् ।
(4) अमी – अदस् (स्त्रीलिङ्ग), प्रथमा बहुवचनम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. "एतन्मुरारिः" इत्यत्र सन्धिसूत्रं वर्तते –
(1) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा ।
(2) प्रत्यये भाषायां नित्यम् ।
(3) नश्चाऽपदान्तस्य झलि ।
(4) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

405749
405749
405749

38. पुंलिङ्गे 'भवत्' शब्दस्य सम्बोधनैकवचने रूपमस्ति –
(1) हे भवान् (2) हे भवन्तः
(3) हे भवन् (4) हे भवत्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. अनुचितं विकल्पं चिनुत –
(1) मया – अस्मद्
(2) युवयोः – युष्मद्
(3) इदम् – तत्
(4) अमुना – अदस्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. भूधातु–सन्दर्भे किमसंगतमस्ति ?
(1) भवति – भवतः – भवन्ति – लट्लकारे ।
(2) भवतु – भवताम् – भवन्तु – लोट्लकारे ।
(3) भूयाः – भूयास्तम् – भूयास्त – आशीर्लिङ्लकारे ।
(4) भवितासि – भवितास्थः – भवितास्थ – लृङ्लकारे ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. 'पच्' धातोर्लिटि प्रथमपुरुषबहुवचने रूपमस्ति –
(1) पेचुः (2) पचन्तु
(3) पचेयुः (4) पेचयुः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. चतुर्षु विकल्पेषु समीचीनमस्ति –
(1) अतिष्ठाम – लङ्लकार उत्तमपुरुषैकवचनम् ।
(2) तिष्ठाव – लट्लकार उत्तमपुरुषद्विवचनम् ।
(3) स्थास्यथः – लृट्लकार प्रथमपुरुषद्विवचनम् ।
(4) तस्थौ – लिट्लकार प्रथमपुरुषैकवचनम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. मत्याम्, मतौ रूपद्वयं कुत्र भवति ?
(1) सप्तमीबहुवचने
(2) सप्तम्येकवचने
(3) चतुर्थ्येकवचने
(4) पञ्चम्येकवचने
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. 'हन्' धातोः लुङ्लकारस्य रूपं वर्तते –
(1) अहन् (2) अहनिष्यत्
(3) जघान (4) अवधीत्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. 'अलभामहि' रूपं कुत्र भवति ?
(1) लभ् धातोः लङ्लकारे उत्तमपुरुषबहुवचने ।
(2) लभ् धातोः लिङ्लकार मध्यमपुरुषैकवचने ।
(3) लभ् धातोः लृङ्लकारे उत्तमपुरुषैकवचने ।
(4) लभ् धातोः लृङ्लकारे उत्तमपुरुषद्विवचने ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. धातुरूपदृष्ट्या एषु शुद्धमस्ति –
(1) अकुरुत (2) कुर्महे
(3) कुरुध्वम (4) कुर्वीत्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. 'वृत्' धातोः रूपं नास्ति –
(1) वर्तन्ते (2) अवर्तत्
(3) वर्तिष्यते (4) वर्तेय
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. एषु कथनेषु समीचीनं नास्ति –
(1) वर्तन्ताम् – लोट्लकार–प्रथमपुरुष बहुवचने ।
(2) अयाचत – लङ्लकार–प्रथमपुरुषैकवचने ।
(3) याचेत – विधिलिङ्–मध्यमपुरुष बहुवचने ।
(4) मोदन्ते – लट्लकार–प्रथमपुरुष बहुवचने
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. "दा" धातोर्लटि प्रथमपुरुषबहुवचने रूपमस्ति –
(1) ददन्ति (2) दत्ति
(3) ददाति (4) ददति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

405749

50. अनुचितं विकल्पं चिनुत –
(1) वस् + क्त = उषित:
(2) सह् + तव्यत् सोढव्यम्
(3) ब्रू + ल्युट् = वचनम्
(4) भज् + घञ् = भाजक:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

51. अनुचितं मेलनं चिनुत
(1) तव्यत् – एधितव्यम्
(2) यत् – चेयम्
(3) ण्यत् – कार्यम्
(4) क्यप् – प्रज्ञ:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

52. 'शिष्य:' इत्यस्मिन् प्रकृति–प्रत्ययौ स्त: –
(1) शिष् + यत्
(2) शिष् + क्यप्
(3) शास् + ण्यत्
(4) शास् + क्यप्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

53. "प्र + कृ + ल्यप्" इत्यत्र शुद्धं रूपं भवति –
(1) प्राकृत्य (2) प्रक्रित्य
(3) प्रकृय (4) प्रकृत्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

54. "भवानी" इत्यस्मिन् स्त्रीप्रत्ययोऽस्ति –
(1) टाप् (2) ङीप्
(3) ङीष् (4) ङीन्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

55. 'याचेयाथाम्' इति पदे क: लकार: वर्तते ?
(1) लोट्लकार:
(2) लङ्लकार:
(3) विधिलिङ्लकार:
(4) आशीर्लिङ्लकार:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

56. अधिपूर्वाणां केषां धातूनाम् आधार: कर्मसंज्ञ: स्यात् ?
(1) विश्वसासाम्
(2) शीङ्वस्विशाम्
(3) स्थाविश्वसाम्
(4) शीङ्स्थासाम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

57. गुणक्रियाद्रव्यै: कालाध्वनो: अत्यन्तसंयोगे केन सूत्रेण का च विभक्ति: भवति ?
(1) उपोऽथिके च – चतुर्थी
(2) अधिपरी अनर्थकौ – द्वितीया
(3) सहयुक्तेऽप्रधाने – तृतीया
(4) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे – द्वितीया
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

58. दानक्रियायाकर्मणा कर्ता यममिप्रैति सम्बध्नाति, सम्बद्धुमीप्सति वा तत्कारकं भवति –
(1) अपादानम् (2) करणम्
(3) सम्प्रदानम् (4) अधिकरणम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

59. "रामेण बाणेन हतो बालि:" इत्यत्र रामेण पदे तृतीया विभक्तिरस्ति –
(1) कर्तरि
(2) अनुक्ते कर्तरि
(3) करणे
(4) अनुक्ते करणे
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

60. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यां नियतोपस्थितिक: उक्त: –
(1) लिङ्गार्थ:
(2) प्रातिपदिकार्थ:
(3) प्रतिपदिकार्थ:
(4) धात्वर्थ:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

61. "षष्ठी चानादरे" अस्य सूत्रस्योदाहरणमस्ति –
(1) रुदति रुदतो वा प्राव्राजीत् ।
(2) गोषु दुह्यमानासु गतः ।
(3) गवां गोषु वा प्रसूतः ।
(4) छात्राणां छात्रेषु वा मैत्रः पटुः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. "सर्वस्मिन्नात्मास्ति" इति कस्याधारस्योदाहरणमस्ति ?
(1) वैषयिकस्य
(2) अभिव्यापकस्य
(3) औपश्लेषिकस्य
(4) संयोगस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. "मासमधीते" इति प्रयोगे द्वितीयाविभक्तिविधायकं सूत्रमस्ति –
(1) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे
(2) अपवर्गे तृतीया
(3) कर्मणि द्वितीया
(4) अधिशीङ्स्थासां कर्म
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. 'यतश्चनिर्धारणम्' इति सूत्रमनुसृत्य सुमेलनं कुरुत –

क.	जातिः	i.	गवां गोषु वा कृष्णा बहुक्षीरा ।
ख.	गुणः	ii.	गच्छतां गच्छत्सु वा धावन् शीघ्रः ।
ग.	क्रिया	iii.	छात्राणां छात्रेषु वा मैत्रः पटुः ।
घ.	संज्ञा	iv.	नृणां नृषु वा द्विजः श्रेष्ठः ।

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	iv	i	ii	iii
(2)	iv	ii	iii	i
(3)	iv	iii	ii	i
(4)	ii	iii	iv	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. 'अपवर्गे तृतीया' सूत्रस्योदाहरणमस्ति –
(1) सुखेन याति ।
(2) मासमधीते नायातः ।
(3) क्रोशेन अनुवाकोऽधीतः ।
(4) गोत्रेण गार्ग्यः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. "आश्चर्यो गवां दोहोऽगोपेन" इत्यस्मिन् वाक्ये षष्ठी विभक्तिः केन सूत्रेण भवति ?
(1) कर्तृकर्मणोः कृति ।
(2) उभयप्राप्तौ कर्मणि ।
(3) यस्य च भावेन भावलक्षणम् ।
(4) यतश्च निर्धारणम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. कश्चित् प्रकारं प्राप्तस्य लक्षणे तृतीया स्यात् एषा वृत्तिः कस्य सूत्रस्य विद्यते ?
(1) अनुर्लक्षणे
(2) संज्ञोऽन्यतरस्यां कर्मणि
(3) इत्थंभूतलक्षणे
(4) कर्तृकरणयोस्तृतीया
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. समुचितं मेलनं कुरुत –

क.	क्रोधः	i.	अपकारः ।
ख.	द्रोहः	ii.	गुणेषु दोषाविष्करणम् ।
ग.	ईर्ष्या	iii.	अमर्षः ।
घ.	असूया	iv.	अक्षमा ।

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	iv	i	iii
(2)	iii	i	iv	ii
(3)	iii	ii	i	iv
(4)	ii	iii	iv	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. असंगतं चिनुत –
(1) भुवः प्रभवः – हिमवतो गङ्गा प्रभवति ।
(2) जनिकर्तुः प्रकृतिः – ब्रह्मणे प्रजाः प्रजायन्ते ।
(3) भीत्रार्थानां भयहेतुः – चोरात् त्रायते
(4) आख्यातोपयोगे – उपाध्यायाद् अधीते
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

405749

70. "शिवकेशवौ" इत्यत्र पूर्वप्रयोगविधायकं सूत्रमस्ति –
(1) अजाद्यदन्तम्
(2) द्वन्द्वे घि
(3) अल्पाच्तरम्
(4) सप्तमीविशेषणे बहुव्रीहौ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

71. "कण्ठेकाल:" इत्यत्र समासो वर्तते
(1) सप्तमी तत्पुरुष:
(2) कर्मधारय:
(3) अव्ययीभाव:
(4) बहुव्रीहि:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

72. "अहश्च रात्रिश्च अहोरात्र:" इत्यत्र पुल्लिङ्गविधायकं सूत्रमस्ति –
(1) रात्राह्नाहा: पुंसि ।
(2) परवल्लिंङ्गं द्वन्द्वतत्पुरुषयो: ।
(3) संख्यापूर्वं क्लीबम् ।
(4) अर्धर्चा: पुंसि च ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

73. निम्नलिखितेषु असमीचीनं चिनुत –
(1) योग्यता – अनुरूपम्
(2) सादृश्यम् – सहरि
(3) वीप्सा – प्रत्यर्थम्
(4) पदार्थानतिवृत्ति: – यथाशक्ति:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

74. भीत्रार्थानां धातूनां प्रयोगे अपादानसंज्ञ: स्यात् ?
(1) त्राता (2) भेता
(3) भयहेतु: (4) त्राता भेता च
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

75. "चतुर्थी तदर्थार्थबलिहितसुखरक्षितै:" सूत्रे तदर्थेन को भाव: इष्यते ?
(1) प्रकृतिभाव:
(2) विकृतिभाव:
(3) संस्कृतिभाव:
(4) प्रकृतिविकृतिभाव:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

76. "द्वियमुनम्" इत्यत्र समास: क: ?
(1) द्विगु: (2) तत्पुरुष:
(3) अव्ययीभाव: (4) कर्मधारय:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

77. सुमेलितं विकल्पं चिनुत –
(1) समुच्चय: – संज्ञापरिभाषम्
(2) अन्वाचय: – भिक्षामट गां चानय
(3) इतरेतर योग: – ईश्वरं गुरुं च भजस्व
(4) समाहार: – धवखदिरौ छिन्धि
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

78. "पितरौ" अयं प्रयोग: कस्य सूत्रस्योदाहरणमस्ति ?
(1) भ्रातृपुत्रौ स्वसृदुहितृभ्याम् ।
(2) स्त्रीपुंवच्च ।
(3) पिता मात्रा ।
(4) श्वसुर: श्वश्रवा ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

79. "घनश्याम:" इत्यत्र समासविधायकं सूत्रमस्ति –
(1) उपमानानि सामान्यवचनै:
(2) विशेषणं विशेष्येण बहुलम् ।
(3) कुगतिप्रादय: ।
(4) उपपदमतिङ् ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

80. समुचितं मेलनं कुरुत –

क. विभक्तिः i. निर्मक्षिकम्

ख. समृद्धिः ii. अधिहरि

ग. अभावः iii. अतिहिमम्

घ. अव्ययः iv. सुमद्रम्

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	iv	i	ii	iii
(2)	iv	i	iii	ii
(3)	ii	iv	iii	i
(4)	ii	iv	i	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. "कुम्भकारः" अयं प्रयोगः कस्य सूत्रस्योदाहरणमस्ति ?

(1) गति–कारकोपपदानां समासवचनानि

(2) उपपदमतिङ्

(3) अमैवाव्येन

(4) राजाहः सखिभ्यष्टच्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. "तस्मान्नुडचि" अनेन सूत्रेण कः आगमो भवति ?

(1) नुम् (2) नङ्

(3) निट् (4) नुट्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. "ईशकृष्णौ" इत्यत्र ईशशब्दस्य पूर्वप्रयोगविधायकं सूत्रं वर्तते –

(1) द्वन्द्वे घि

(2) अजाद्यदन्तम्

(3) अल्पाच्तरम्

(4) जातिरप्राणिनाम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. "भूतबलिः" इत्यत्र किं सूत्रम् ? कश्च समासः ?

(1) चतुर्थीतदर्थार्थबलिहितसुखरक्षितैः – चतुर्थीतत्पुरुषः

(2) कर्तृकरणे कृता बहुलम् – तृतीयातत्पुरुषः

(3) अन्नेन व्यञ्जनम् – तृतीयातत्पुरुषः

(4) भक्ष्येण मिश्रीकरणम् – तृतीयातत्पुरुषः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. 'हिमालय से गङ्गा निकलती है ।' इत्यस्य वाक्यस्य संस्कृतानुवादो वर्तते –

(1) हिमालयेन गङ्गा प्रभवति ।

(2) हिमालये गङ्गा प्रभवति ।

(3) हिमालयाद् गङ्गा प्रभवति ।

(4) हिमालयस्य गङ्गा प्रभवति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. अधोलिखितेषु अशुद्धवाक्यमस्ति –

(1) जनकेन सह गच्छति

(2) अक्ष्णा काणः वर्तते ।

(3) ग्रामस्य अभितः विद्यालयम् अस्ति ।

(4) गणेशाय नमः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. "कृष्णसर्पः" अधोलिखितेषु सूत्रेषु कस्योदाहरणमस्ति ?

(1) विशेषणं विशेष्येण बहुलम् ।

(2) उपमानानि सामान्यवचनैः ।

(3) तत्पुरुषः समानाधिकरणः कर्मधारयः ।

(4) उपमितं व्याघ्रादिभिः सामान्याप्रयोगे ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

405749

88. 'राजा दुर्जनों पर क्रोध करता है ।' इत्यस्य वाक्यस्य संस्कृतानुवादो वर्तते –

(1) नृप: दुर्जनानां क्रुध्यति ।
(2) नृप: दुर्जनेभ्य: क्रुध्यति ।
(3) नृप: दुर्जनेषु क्रुध्यति ।
(4) नृप: दुर्जनाय अभिक्रुध्यति ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

89. "लता से फूलों को चुनता है" वाक्यस्यास्य शुद्धं संस्कृतवाक्यं वर्तते –

(1) लतां पुष्पाणि चिनोति ।
(2) लताभ्य: पुष्पाणि चिनोति ।
(3) लतेन पुष्पाणि चिनोति ।
(4) लताया: पुष्पाणि चिनोति ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

90. 'हरि को भक्ति प्रिय है' वाक्यस्य संस्कृतानुवादऽस्ति –

(1) हरिणा रोचते भक्ति: ।
(2) हरिम् रोचते भक्ति: ।
(3) हरये रोचते भक्ति: ।
(4) हरे: रोचते भक्ति: ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

91. शुद्धं वाक्यं चिनुत –

(1) स्वामिनं प्रार्थयित्वा गृहं गच्छत ।
(2) स्वामिने प्रार्थयित्वा गृहं गच्छत ।
(3) स्वामिनं प्रार्थ्य गृहं गच्छत ।
(4) स्वामिनं प्रार्थित्वा गृहं गच्छत ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

92. अधोलिखितेषु शुद्धं वाक्यमस्ति –

(1) सिंहस्य बिभेति ।
(2) विद्यालये निकषा मम गृहम् ।
(3) विष्णु: नमस्ते ।
(4) राम: जानक्या साकं गच्छति ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

93. "वृक्ष से पत्ते गिरते हैं" इत्यस्य वाक्यस्य संस्कृते शुद्धं रूपमस्ति –

(1) वृक्षस्य पत्रं पतति ।
(2) वृक्षात् पत्रं पतन्ति ।
(3) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति ।
(4) वृक्षे पत्रं पतति ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

94. "सबके सो जाने पर कमला रोती है" इत्यस्य वाक्यस्य संस्कृतानुवाद: वर्तते

(1) सर्वेषां शयानेषु कमला रोदिति ।
(2) सर्वेषां शयानानां कमला रोदिति ।
(3) सर्वेषु शयानेषु कमला रोदिति ।
(4) सर्वेषु शयानेषु कमला रोदति ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

95. अधोलिखितेषु पं. अम्बिकादत्तव्यासस्य रचना अस्ति –

(1) जयपुर – वैभवम्
(2) आदर्शरमणी
(3) सामवतनाटकम्
(4) कश्चित् कवि:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

96. "अशौचपञ्जिका" इत्येषा रचना कस्य वर्तते ?

(1) पं. गिरिधरशर्म चतुर्वेदिन: ।
(2) पं. दुर्गाप्रसादद्विवेदिन: ।
(3) पं. गणेशरामशर्मण: ।
(4) मधुसूदन–ओझा–महोदयस्य ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

97. अधोलिखितस्य वाक्यस्य शुद्धं संस्कृतानुवादं चिनुत –

"गुरु शिष्य को पाप से बचाता है"

(1) गुरु: शिष्याय पापात् वारयति ।
(2) गुरु: शिष्यं पापात् वारयति ।
(3) गुरुणा शिष्य: पापात् वारयति ।
(4) गुरु: शिष्यं पापेन वारयति ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

405749

98. अधोलिखितानां कवीनां कृतीनाञ्च सुमेलनं करणीयम् –

क.	पं. मधुसूदन ओझा	i.	हनुमद्दूतम्
ख.	पं. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी	ii.	पितृसमीक्षा
ग.	पं. नित्यानन्द शास्त्री	iii.	गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम्
घ.	पं. अम्बिकादत्तव्यासः	iv.	पुराणपरिशीलनम्

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	iv	i	iii
(2)	ii	iii	iv	i
(3)	iii	ii	i	iv
(4)	iv	iii	i	ii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. जगदीशचन्द्राचार्यस्य चम्पूकाव्यमस्ति –

(1) वासुदेवचरितम्
(2) विरहिणी
(3) मन्दाकिनीमाधुरी
(4) मकरन्दिका
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. अधस्तनेषु श्रीगणेशरामशर्मणा लिखितो ग्रन्थो नास्ति –

(1) जीवितोऽपि प्रेतभोजनम् ।
(2) जीवनसङ्घर्षः ।
(3) प्रबन्धमकरन्दः ।
(4) मूढचिकित्सा ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. "कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम्" सूक्तिरियं कस्य लेखकस्य वर्तते ?

(1) पं. मधुसूदन-ओझा इत्यस्य ।
(2) विद्याधरशास्त्रिणः
(3) अम्बिकादत्तव्यासस्य
(4) भट्टमथुरानाथशास्त्रिणः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. "प्रमेय-पारिजातः" इति कस्य विषयस्य ग्रन्थोऽस्ति ?

(1) पुराणविषयस्य
(2) व्याकरणविषयस्य
(3) दर्शनविषयस्य
(4) धर्मशास्त्रविषयस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. "उत्पत्तीन्दुशेखरः" इत्यस्य कृतिकारः को वर्तते ?

(1) दुर्गाप्रसादद्विवेदी
(2) पं. जगदीशचन्द्राचार्यः
(3) पं. हरिरामशास्त्रिदाधीचः
(4) पं. श्रीरामदवे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. "पुण्यश्रीचरितम्" इत्यस्य महाकाव्यस्य प्रणेता वर्तते –

(1) विद्याधर – शास्त्री
(2) पद्म – शास्त्री
(3) नित्यानन्द – शास्त्री
(4) कलानाथ – शास्त्री
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. श्रीरामदवे विरचितं "वियोगशतकम्" कस्मिन् छन्दसि निबद्धमस्ति ?

(1) मन्दाक्रान्तायाम्
(2) वंशस्थे
(3) शार्दूलविक्रीडिते
(4) द्रुतविलम्बिते
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. "कलिविलासः" इत्यस्य कस्तावल्लेखको वर्तते ?

(1) श्रीरामदवे
(2) हरिशास्त्री दाधीचः
(3) विद्याधर-शास्त्री
(4) नवलकिशोर – काङ्कर:
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

405749

107. "समस्यासन्दोहः" रचनाऽस्ति –
(1) भट्टमथुरानाथशास्त्रिणः
(2) कलानाथशास्त्रिणः
(3) वृद्धिचन्द्रशास्त्रिणः
(4) ब्रह्मानन्दशर्मणः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. "वासुदेवचरितम्" काव्यं कस्मिन् छन्दसि निबद्धमस्ति ?
(1) मन्दाक्रान्ताछन्दसि
(2) उपेन्द्रवज्राछन्दसि
(3) वंशस्थछन्दसि
(4) द्रुतविलम्बितछन्दसि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. "पितुरूपदेशः" कथायाः कथाकारः कः ?
(1) गणेशरामशर्मा
(2) गिरिधरशर्माचतुर्वेदी
(3) अम्बिकादत्तव्यासः
(4) ब्रह्मानन्दशर्मा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. अधोलिखितासु नवलकिशोरकांकर महोदयस्य रचना नास्ति –
(1) राष्ट्रवेदः
(2) शास्त्रसर्वस्वम्
(3) यात्राविलासः
(4) महीमहम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

111. "महर्षिकुलवैभवम्" इति रचनायाः रचनाकारोऽस्ति –
(1) पं. गणेशरामशर्मा
(2) जगदीशचन्द्राचार्यः
(3) पं. मधुसूदन ओझा
(4) देवर्षिकलानाथशास्त्री
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

405749

112. समुचितं मेलनं नास्ति –
(1) दुर्गाप्रसादद्विवेदी – दशकण्ठवधम्
(2) जगदीशचन्द्राचार्यः – अमर-भारती
(3) अम्बिकादत्तव्यासः – तिलोत्तमानाटकम्
(4) गणेशरामशर्मा – संस्कृतकथाकुञ्जम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. "हरनामामृतम्" इति महाकाव्यस्य प्रणेताऽस्ति –
(1) पं. श्रीनिवासाचार्य
(2) पं. गिरिधरलालशास्त्री
(3) पं. विद्याधरशास्त्री
(4) डॉ. शिवकुमारशुक्लः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. एतासु नवलकिशोरकांकरस्य रचना न विद्यते –
(1) मुम्बापुरीवर्णनम्
(2) प्रबन्धामृतम्
(3) श्रीलक्ष्मणाभ्युदयम्
(4) राष्ट्रवेदः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. 'संस्कृत-नाट्य-वल्लरी' ग्रन्थस्य ग्रन्थकारः कः ?
(1) देवर्षिकलानाथशास्त्री
(2) गिरिधरशर्माचतुर्वेदी
(3) नवलकिशोरकांकरः
(4) ब्रह्मानन्दशर्मा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

116. अधोलिखितेषु सवितृदेवस्य विशेषणं नास्ति –
(1) सुमृलीकः (2) शितिपादः
(3) चित्रभानुः (4) अप्सुजित्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. अग्निसूक्तस्य (ऋक् 1.1 तमस्य) मन्त्रद्रष्टा ऋषिः वर्तते –
(1) विश्वामित्रः (2) मधुच्छन्दा
(3) मेधातिथिः (4) शुनःशेपः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

118. "हरिकेशः" विशेषणेन सम्बद्धः देवः –
(1) अग्निः (2) वरुणः
(3) सविता (4) इन्द्रः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. ऋग्वेदे सर्वाधिकः पराक्रमी देवः अस्ति –
(1) रुद्रः (2) वरुणः
(3) इन्द्रः (4) सूर्यः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. एषु पृथिवीस्थानीय-देवता वर्तते –
(1) सवितृ (2) अग्निः
(3) रुद्रः (4) अश्विनौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. अधोलिखितेषु समुचितं मेलनमस्ति –

क.	अग्निः	i.	पुराणी
ख.	इन्द्रः	ii.	गणपतिः
ग.	उषस्	iii.	रत्नधातमम्
घ.	बृहस्पतिः	iv.	सोमपा

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	iii	ii	i	iv
(2)	ii	iii	i	iv
(3)	iii	iv	i	ii
(4)	iv	iii	ii	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. ऋग्वेदस्य सम्पूर्णं नवमं मण्डलं कस्य देवस्य स्तुतौ वर्तते ?
(1) इन्द्रस्य (2) सोमस्य
(3) बृहस्पतेः (4) वरुणस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. 'विश्वस्य भुवनस्य राजा' कः कथ्यते ?
(1) वरुणः (2) इन्द्रः
(3) अग्निः (4) पुरुषः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. कौ देवौ युगलदेवरूपेण स्तूयेते ?
(1) वरुणाग्नी (2) इन्द्रवरुणौ
(3) वाक्-उषे (4) अश्विनौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. "किमावरीवः कुह कस्य शर्म" इति मन्त्रांशोऽस्ति –
(1) पुरुषसूक्तस्य
(2) हिरण्यगर्भसूक्तस्य
(3) नासदीयसूक्तस्य
(4) वाक्सूक्तस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. कस्तावद् अन्तरिक्षे रजसो विमानः ?
(1) इन्द्रः (2) हिरण्यगर्भः
(3) अग्निः (4) पुरुषः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. "सुशिप्रः" इति विशेषणमस्ति –
(1) सवितुः (2) बृहस्पतेः
(3) अग्नेः (4) इन्द्रस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. उषसः विशेषणं नास्ति –
(1) अमर्त्या (2) हिरण्यवर्णा
(3) ऋतावरी (4) गिरिष्ठा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

405749

129. वाक् किमर्थं रुद्राय धनुरातनोति ?

(1) द्यावापृथिवी आविवेश
(2) सुप्राव्ये यजमानायं सुन्वते
(3) आरभमाणा भुवनानि विश्वा
(4) ब्रह्मद्विषे शरवे हन्तवा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

130. छन्दांसि कस्मात् जज्ञिरे ?

(1) मुखात् (2) प्राणात्
(3) श्रोत्रात् (4) यज्ञात्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

131. इन्द्रसूक्तस्य सूक्ति: वर्तते –

(1) शीर्ष्णो द्यौ: समवर्तत ।
(2) तस्माद्धान्यन्न पर: किंचनास ।
(3) यो वा दिवं सत्यधर्मा जजान ।
(4) यो विश्वस्य प्रतिमानं बभूव ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

132. "श्वघ्नीव यो जिगीवाँ लक्षमाद" इति मन्त्रांश: केन देवेन सम्बन्धित: ?

(1) अग्निना (2) इन्द्रेण
(3) सोमेन (4) वरुणेन
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

133. "कस्मै देवाय हविषा विधेम" इति कुत्रोल्लेख: वर्तते ?

(1) हिंरण्यगर्भसूक्ते
(2) पुरुषसूक्ते
(3) नासदीयसूक्ते
(4) इन्द्रसूक्ते
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

134. "स न: पितेव सूनवे .... सूपायन:" इत्यत्र सूपायन: क: ?

(1) हिरण्यगर्भ: (2) इन्द्र:
(3) अग्नि: (4) बृहस्पति:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

135. "अपस:" इति पदस्य कोऽर्थ: वर्तते ?

(1) विवेकी (2) कर्मशील:
(3) दयावान् (4) साधु:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

136. कस्मात् ऋते किंचन कर्म न क्रियते ?

(1) मनस: (2) शिवात्
(3) देवात् (4) वरुणात्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

137. मनोविज्ञानस्य मूलभूतं गूढं तत्त्वं काव्यमय भाषायामिति कस्मिन् सूक्ते वर्णितम् ?

(1) पुरुषसूक्ते
(2) वाक्सूक्ते
(3) शिवसंकल्पसूक्ते
(4) हिरण्यगर्भसूक्ते
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

138. "हृत्प्रतिष्ठं यदजिरं जविष्ठम्" इत्यस्मिन् जविष्ठमिति किम् ?

(1) प्रज्ञानम्
(2) जरारहितम्
(3) वेगवान्
(4) अपूर्वम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

139. शिवसंकल्पसूक्तस्य ऋषिरस्ति –

(1) वाजसनेय: (2) याज्ञवल्क्य:
(3) वशिष्ठ: (4) परमात्मा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

140. "उषस्" सूक्तस्य (3.61 तमस्य) मन्त्रद्रष्टा ऋषि: वर्तते –

(1) विश्वामित्र: (2) वसिष्ठ:
(3) शुन:शेप: (4) हिरण्यगर्भ:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

405749

141. प्रजापतिसूक्ते प्रथमतृतीयमन्त्रयोः देवता अस्ति –

(1) इन्द्रः (2) वरुणः

(3) कः (4) वाक्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. 'शिवसंकल्पसूक्तम्' शुक्लयजुर्वेदस्य कस्यां संहितायां प्राप्यते ?

(1) तैत्तिरीयशाखायाम्

(2) काण्वशाखायाम्

(3) वाजसनेयिसंहितायाम्

(4) कठसंहितायाम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

143. 'रोचन्ते रोचना दिवि' इति मंत्रांशे रोचन्ते पदस्य कोऽर्थः ?

(1) रुच्यन्ते

(2) युध्यन्ते

(3) प्रकाशन्ते

(4) गम्यन्ते

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

144. प्रजापतिसूक्ते प्रजापतेः महिमा कुत्र न वर्णितः ?

(1) सूर्ये (2) अन्तरिक्षे

(3) संवत्सरे (4) अप्सु

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

145. "य ईशे अस्य द्विपदश्चतुष्पदः" इति यजुर्वेदस्य मन्त्रांशोऽयं वर्तते –

(1) हिरण्यगर्भसूक्ते

(2) वाक्सूक्ते

(3) ईशावास्योपनिषदि

(4) प्रजापतिसूक्ते

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

146. अस्य आरण्यकग्रन्थस्य उपनिषद् इति संज्ञा विद्यते –

(1) ऐतरेयारण्यकस्य

(2) बृहदारण्यकस्य

(3) तैत्तिरीयारण्यकस्य

(4) तवलकारारण्यकस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

147. ईशावास्योपनिषदः संहिता वर्तते –

(1) यजुर्वेदसंहिता

(2) ऋग्वेदसंहिता

(3) अथर्ववेदसंहिता

(4) सामवेदसंहिता

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

148. अधोलिखितेषु असंगतकथनमस्ति –

(1) श्वेतकेतुजाबालसंवादः –छान्दोग्योपनिषदि

(2) भृगुवरुणसंवादः –तैत्तिरीयोपनिषदि

(3) याज्ञवल्क्यगार्गीसंवादः –बृहदारण्यकोपनिषदि

(4) यमनचिकेतासंवादः –केनोपनिषदि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

149. अष्टकक्रमे ऋग्वेदसंहितायां कति अध्यायाः सन्ति ?

(1) चतुःषष्टिः

(2) चतुस्त्रिंशत्

(3) षट्चत्वारिंशत्

(4) चतुस्सप्तति:

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

150. सामवेदे गेयानुकूल-निरर्थकवर्णानां प्रयोगः कथ्यते –

(1) स्तोमः

(2) उद्गीथः

(3) ऊह्यगानम्

(4) अरण्यगानम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

405749

405749

405749